ऑलिव रिडले कछुओं के लिए चेन्नई तट पर तैयारी: नेस्टिंग सीजन से पहले संरक्षण अभियान



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

तमिलनाडु वन विभाग ने ऑलिव रिडले कछुओं के वार्षिक प्रवासन और नेस्टिंग सीजन (दिसंबर 2026 से अपेक्षित) से पहले चेन्नई तट पर संरक्षण उपाय शुरू कर दिए हैं। चेन्नई वन्यजीव प्रभाग ने मरीना बीच से नीलांकरई और उथांडी तक तटीय गश्त शुरू की है; पुलिकट रेंज भी पुलिकट तट पर ऐसी ही गश्त करेगी। साथ ही मरीन एलीट फोर्स (MEF) मत्स्य विभाग के साथ मिलकर नौका गश्त से ट्रॉलरों की निगरानी कर रही है, ताकि संवेदनशील जल में मशीनीकृत मछली-पकड़ने पर प्रतिबंधों का पालन सुनिश्चित हो - जाल में फँसकर कछुओं की आकस्मिक मृत्यु एक बड़ा खतरा है।

संरक्षण उपायों की रूपरेखा

गश्त: सप्ताह में तीन-चार बार, दो-तीन घंटे की तटीय गश्त; जो हिस्से कछुओं के ज्ञात नेस्टिंग क्षेत्र हैं, वहाँ विशेष ध्यान।
संवेदनशील क्षेत्रों का चिह्नांकन: नेस्टिंग में बाधा डालने वाली चीज़ें हटाना और नियमित तट-सफाई।
स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण: कछुओं के संरक्षण, नेस्टिंग स्थलों की पहचान और सूचना देने की प्रक्रिया की ट्रेनिंग, ताकि खतरे की स्थिति में तुरंत हस्तक्षेप हो सके।

ऑलिव रिडले कछुआ: पहचान और स्थिति

परिचय: ऑलिव रिडले (वैज्ञानिक नाम: Lepidochelys olivacea) सबसे छोटी समुद्री कछुआ प्रजातियों में से एक है; नाम इसके जैतूनी-हरे रंग के खोल (carapace) से पड़ा है। वयस्क कछुआ 62-70 सेमी लंबा और लगभग 35-45 किग्रा भारी होता है।

संरक्षण-स्थिति: भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की **अनुसूची I** में सूचीबद्ध; IUCN रेड लिस्ट में **असुरक्षित (Vulnerable)** श्रेणी में।

अरिबाडा: यह प्रजाति अपनी सामूहिक नेस्टिंग घटना 'अरिबाडा' (arribada - स्पेनिश में 'आगमन') के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें कुछ ही दिनों में हजारों मादा कछुए एक साथ तट पर अंडे देने आते हैं। ओडिशा में इस प्रजाति के विश्व के सबसे बड़े सामूहिक नेस्टिंग स्थल हैं - गहीरमाथा, रुषिकुल्या और देवी नदी मुहाना। चेन्नई तट पर कछुए अलग-अलग (solitary) नेस्टिंग करते हैं; रेडियो-टैगिंग अध्ययनों से पता चला है कि कछुए नियमित रूप से चेन्नई तट पर लौटते हैं।

आगे की राह

नेस्टिंग सीजन (दिसंबर-अप्रैल) के दौरान तटीय प्रकाश-प्रदूषण, प्लास्टिक और ट्रॉलर-गतिविधि पर लगाम ज़रूरी रहेगी। स्वयंसेवक-आधारित निगरानी और मछुआरा समुदाय की भागीदारी इस वर्ष के अभियान की सफलता तय करेगी।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: ऑलिव रिडले कछुए की संरक्षण-स्थिति क्या है?
उत्तर: वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध और IUCN रेड लिस्ट में 'असुरक्षित' (Vulnerable)।

प्रश्न 2: अरिबाडा क्या है?
उत्तर: ऑलिव रिडले कछुओं की सामूहिक नेस्टिंग घटना, जिसमें हजारों मादाएँ कुछ ही दिनों में एक साथ तट पर अंडे देती हैं।

प्रश्न 3: भारत में ऑलिव रिडले के प्रमुख सामूहिक नेस्टिंग स्थल कहाँ हैं?
उत्तर: ओडिशा में - गहीरमाथा, रुषिकुल्या और देवी नदी मुहाना।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: ऑलिव रिडले कछुए के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन 1: यह सबसे बड़ी समुद्री कछुआ प्रजाति है
कथन 2: यह भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध है
कथन 3: इसकी सामूहिक नेस्टिंग घटना को अरिबाडा कहा जाता है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या
सही उत्तर: (b)
कथन 1 गलत है - ऑलिव रिडले सबसे छोटी समुद्री कछुआ प्रजातियों में से एक है, सबसे बड़ी नहीं (सबसे बड़ा लेदरबैक है)
कथन 2 और 3 सही हैं

प्रश्न 2: भारत में ऑलिव रिडले कछुओं के सामूहिक नेस्टिंग (अरिबाडा) के लिए कौन-सा क्षेत्र विश्व-प्रसिद्ध है?

(a) अंडमान द्वीपसमूह का उत्तरी तट
(b) ओडिशा का तट - गहीरमाथा, रुषिकुल्या, देवी मुहाना
(c) कच्छ का रन
(d) लक्षद्वीप की लैगून शृंखला

उत्तर और व्याख्या
सही उत्तर: (b)
ओडिशा में ऑलिव रिडले के विश्व के सबसे बड़े सामूहिक नेस्टिंग स्थल हैं

स्रोत

- Sea Turtles of India (प्रजाति-प्रोफ़ाइल, संरक्षण-स्थिति): seaturtlesofindia.org
- भारतीय तटरक्षक बल (ऑपरेशन ओलिविया): indiancoastguard.gov.in

संबंधित लेख

- जैव-विविधता के वादे, अमल का सवाल: COP17 में भारत की राह
- The Hindu: Chennai turtle conservation preparations, 16 November 2026